हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 246, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 मार्च, 2024 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

140 करोड़ देशवासी मेरे परिवार हैं : पीएम मोदी

आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत का जताया भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार (नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड) प्रदान किया। यह पुरस्कार पहली बार दिए गए हैं। 'ग्रीन चैंपियन' श्रेणी में प्रवेश पांडे को पुरस्कृत किया गया, जबकि कीर्तिका गोविंदसामी को सर्वश्रेष्ठ कहानीकार का पुरस्कार दिया गया। गायिका मैथिली ठाकुर को ह्यकल्चरल एंबेसडर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार मिला। टेक श्रेणी में गौरव चौधरी और यात्रा क्षेत्र के लिए कामिया जानी को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने अतिथियों को संबोधित भी किया। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'आपको गारंटी देता हूं कि अगले शिवरात्रि पर भी ऐसा कार्यक्रम मैं ही करूंगा।' इससे पहले उन्होंने कहा कि जब समय बदलता है, जब नए युग की शुरूआत होती है तो उसके साथ कदम से कदम मिलाना, ये देश का दायित्व होता है। आज भारत मंडपम में देश अपने उस दायित्व को पूरा कर रहा है। नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड ये आयोजन नए दौर को समय से पहले पहचान देने का आयोजन है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ये अवॉर्ड कंटेंट क्रिएटर्स के लिए बहुत बड़ा मोटिवेशन बनेगा। उनके काम को एक बहुत बड़ी पहचान मिलने वाली है। आज जिन्हें ये अवॉर्ड मिले हैं, उन विजेताओं को बधाई देता हूं। आज एक और संयोग है कि ये पहला नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड महाशिवरात्रि के शुभ दिन पर आयोजित हो रहा है और मेरे काशी में तो शिव जी के बिना कुछ नहीं चलता है। ये ईश्वर की कृपा है कि मैं समय से पहले समय को भांप लेता हूं! उन्होंने कहा कि शिव भाषा, कला और क्रिएटिविटी के जनक माने गए हैं। हमारे शिव नटराज हैं। शिव के डमरू से माहेश्वर सूत्र प्रकट हुए हैं। शिव का तांडवलय सृजन की नींव रखता है। मैं आपको और सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि की बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

'बहुत सारी बेटियां मैदानमार गई हैं'- पीएम मोदी ने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी है। आज जो अवॉर्ड मिले हैं उनमें भी बहुत सारी बेटियां मैदानमार गई हैं। उनको भी बधाई देता हूं। मैं देश की सभी महिलाओं, बहन-बेटियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देता हूं और आज गैस सिलेंडर के दाम भी 100 रुपए कम हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज के इस अवॉर्ड कार्यक्रम का क्रेडिट अगर किसी को जाता है तो वो भारत के मेरे युवा मन को, हर डिजिटल क्रिएटर्स को जाता है। क्या हम ऐसा कंटेंट और ज्यादा बना सकते हैं, जो युवाओं में नशीले पदार्थों के नकारात्मक प्रभाव को लेकर जागरुकता लाए? हम कह सकते हैं- ड्रग्स युवाओं के लिए अच्छा नहीं है। आपको गारंटी देता हूं कि अगले शिवरात्रि पर भी ऐसा कार्यक्रम मैं ही करूंगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आप सब मेरे परिवार हैं, 140 करोड़ देशवासी मेरे परिवार हैं। मुझे ज्यादा मेरे लिए आप मरते हैं, क्योंकि आपके लिए मैं जीता हूं और जो अपने लिए नहीं जीता है, उसके लिए मरने वाले बहुत होते हैं। हम एक साथ मिलकर एक क्रिएट ऑन इंडिया मूवमेंट की शुरूआत करें। हम भारत से जुड़ी कहानियों को, भारत की संस्कृति को, भारत की विरासत को और परंपराओं को पूरी दुनिया से शेयर करें। उन्होंने कहा कि हम भारत की अपनी कहानियां सबको सुनाएं। आज पूरी दुनिया में लोग भारत के बारे में जानना चाहते हैं। हमारे देश में बहुत सामर्थ्य है, मोदी तो सिर्फ अवसर देता है।

ग्रामीण क्षेत्र के 75 प्रतिशत घरों में पहुंचा नल से जल कनेक्शन : गजेंद्र शेखावत

नई दिल्ली। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक लगभग 75 प्रतिशत घरों में नल से जल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। उन्होंने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए लक्ष्य की दिशा में प्रयास करने के लिए सभी राज्यों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सभी घरों में नल से जल कनेक्शन उपलब्ध कराना हमारी बड़ी उपलब्धि है। हमने हर घर जल की दिशा में 75 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लिया है। हर घरों में नल से जल उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में अथक प्रयास के लिए सभी राज्यों और टीम जल जीवन मिशन को बधाई देता हूं। धीरे-धीरे हम एक मजबूत, स्वस्थ भारत का निर्माण कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कुल 19,27,94,822 ग्रामीण घरों में से अब तक 14,46,57,889 को नल से जल कनेक्शन मिल चुका हैं। 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने ग्रामीण इलाकों में 100 प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है। कुल 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नल से जल कवरेज 75-100 प्रतिशत के बीच है। छह राज्यों में 50-75 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, दो राज्यों राजस्थान और बंगाल में कवरेज 50 प्रतिशत से कम है।

महाशिवरात्रिः सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक, महादेव से की लोकमंगल की कामना

गोरखपुर। देवाधिदेव महादेव भोले शंकर की उपासना के पावन पर्व महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने भरोहिया के पितेश्वरनाथशिव मंदिर में जलाभिषेक तथा गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। इसके पहले गोरखनाथ मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प आदि अर्पित करने कर बाद रुद्राभिषेक किया।

सीएम योगी शुक्रवार को सुबह लखनऊ से पीपीगंज के भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर पहुंचे। यहां बाबा पितेश्वरनाथ का दर्शन, पूजन व विधि विधान से जलाभिषेक कर सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। पांडवकालीन मान्यता वाले पितेश्वरनाथ मंदिर का गोरक्षपीठ से गहरा नाता है। गोरक्षपीठाधीश्वर हर महाशिवरात्रि यहां जलाभिषेक करने आते हैं। जलाभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री ने भरोहिया में शिव मंदिर के सामने स्थित गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ के परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। बच्चों का प्यार से माथा सहला कर आशीर्वाद दिया।

कुछ लोगों से हंसी ठिठोली भी की। स्थानीय स्तर पर विकास से जुड़े कुछ मामलों पर उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि विकास में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। भरोहिया में मुख्यमंत्री के आगमन पर विधायक फतेह बहादुर सिंह, भरोहिया के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय सिंह, जंगल कौड़िया के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, गोरख सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे। इसके बाद भरोहिया से गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया। अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश झुकाकर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात गोरखनाथ मंदिर परिसर में मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में उन्होंने भगवान भोले शंकर का दुग्ध, दही, घी, मधु और शर्करा से पंच स्नान तथा गो दुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने हवन तथा आरती कर चराचर जगत के कल्याण हेतु महादेव शिव से प्रार्थना की।

लोकसभा चुनावः उमर का महबूबा से गठबंधन से इनकार बोले- पीडीपी के बजाय कांग्रेस के लिए छोड़ सकते हैं सीट

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ सीट साझेदारी के लिए गठबंधन करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वह पीडीपी के साथ सीट बंटवारे के लिए समझौता नहीं करेंगे। एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उमर ने ये बातें कहीं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर उन्हें पहले यह कहा गया होता कि उन्हें नेकां की सीटें गंवा कर साझेदारी करनी पडेगी तो उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल ही नहीं होती। उमर ने कहा कि अगर राहुल गांधी और सोनिया गांधी कहते हैं कि कांग्रेस के लिए छोड़ दें तो वह पीडीपी के बजाय कांग्रेस को सीट देना छोड़ना पसंद करेंगे उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस नंबर दो पर है, जबकि पीडीपी तीसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में भाजपा को सत्ता में लाने और लोगों के जनादेश को धोखा देने के बाद पीडीपी के पास कोई विश्वसनीयता नहीं बची है। उमर अब्दुल्ला ने फिर कहा कि कश्मीर घाटी में सभी तीन लोकसभा सीटों पर नेकां स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी और अपने बल जीत दर्ज करेगी। बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के पीएम मोदी पर परिवारवाद वाले तंज पर उमर ने कहा कि वह ऐसे व्यक्तिगत नारों के पक्ष में नहीं हैं। इनसे किसी तरह का लाभ नहीं मिलता। उमर अब्दुल्ला कहते हैं, "मैं कभी भी ऐसे नारों के पक्ष में नहीं रहा हूं और हमें उनसे कभी कोई फायदा नहीं हुआ है। जब भी हम ऐसे नारे लगाते हैं, तो इससे हमें नुकसान होता है। मतदाता इन सब से प्रभावित नहीं होते हैं, वे जानना चाहते हैं कि वर्तमान में उनके सामने जो समस्याएं हैं उनका समाधान कैसे होगा...हम वास्तव में ऐसे बयान देकर सेल्फ-गोल करते हैं या गोलकीपर को हटाते हैं और पीएम मोदी को गोल करने की अनुमति देते हैं।'

स्वामी योगानंद की पुण्यतिथि पर क्रियायोग आश्रम पहुंचे अखिलेश यादव, दीप जलाकर की आराधना

प्रयागराज। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव स्वामी योगानंद के पुण्यतिथि समारोह में हिस्सा लेने के लिए क्रियायोग आश्रम भी पहुंचे। यहां उन्होंने वटवृक्ष के नीचे दीप जलाकर आराधना की। दोपहर तीन बजे पहुंचे पूर्व सीएम ने स्वामी योगी सत्यम से आश्रम के विविध सेवा प्रकल्पों के बारे में जानकारी ली। योगी कथामृत" नामक सुप्रिसिद्ध सद्ग्रथ के लेखक परमहंस योगानंद की महासमाधि अवसर पर क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान के आध्यात्मिक परिसर में पूर्व सीएम अचानक पहुंचे। वहां उन्होंने दो दिवसीय विशेष महासमाधि समारोह का दीप जलाकर शुभारंभ किया। क्रियायोग आश्रम के पावन वटवृक्ष के नीचे परमहंस योगानंद के चित्र के सामने दीपक जलाकर उन्होंने प्रार्थना भी की। इस दौरान क्रियायोग वैज्ञानिक स्वामी योगी सत्यम ने ज्ञानावतार लाहिड़ी महाशय की ज्ञान निधि से देश -विदेश के अनुयायियों को परिचित कराया। कहा कि सत्य, अहिंसा और प्रेम का अभ्युदय सिर्फ क्रियायोग अभ्यास से संभव है। स्वामी योगी सत्यम ने बताया कि सात मार्च 1952 को लॉस एंजेलिस के बिल्टमोर होटल में आयोजित प्रतिभोज में 50 देशों के राजदूतों के समक्ष परमहंस योगानंद ने भारत के

नाम अपना संदेश देते हुए महासमाधि में प्रवेश किया था। महासमाधि के उपरांत 20 दिन तक उनके शरीर में किसी प्रकार का विकार नहीं आया था। "परमहंस योगानंद के पार्थिव शरीर में किसी भी प्रकार के विकारों का न आना दुनिया के लिए अत्यंत असाधारण अनुभव रहा है। न तो उनकी त्वचा के रंग में किसी प्रकार का परिवर्तन हुआ था, न शरीर तंतुओं में शुष्कता ही आई थी।

कोटा में शिव बरात के दौरान बड़ा हादसा 15 बच्चे करंट की चपेट में आने से झुलसे

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर में महाशिवरात्रि पर निकाली जा रही शिव बरात के दौरान हादसा हो गया। हाइटेंशन वायरल की चपेट में आने से 15 बच्चे झुलस गए। एक बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी बच्चों को एमबीबीएस अस्पताल में भर्ती किया गया है। हादसा कुन्हाड़ी थर्मल चौराहे के पास दोपहर साढ़े 12 बजे के करीब हुआ। शिव बरात में कई बच्चे धार्मिक झंडे लेकर चल रहे थे। इस दौरान एक झंडा हाइटेंशन लाइन से टच हो गया। इससे यह हादसा हो गया। घटना के बाद एकाएक अफरा-तफरी मच गई। जिसे जो मिला, उसे अस्पताल लेकर दौड़ा। तत्काल बच्चों को एमबीबीएस अस्पताल ले जाया गया। वहां एक बच्चे की स्थिति नाजुक बनी हुई है। प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही मेडिकल टीम को अलर्ट कर दिया गया है। घायल बच्चों के परिजनों ने अस्पताल पहुंचे आयोजकों की पिटाई कर दी है। आईजी रविदत्त गौड़ ने बताया एक बच्चा 70 प्रतिशत और एक 50 प्रतिशत झुलस गया है। शेष बच्चे 10 प्रतिशत तक झुलसे हैं। बच्चों की उम्र नौ से 16 साल बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर और अन्य अधिकारी भी एमबीबीएस अस्पताल पहुंचे। बिरला ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घटना बेहद दुखद है। यह क्यों हुआ, इसकी जांच करवाई जाएगी। सभी लोग फिलहाल बच्चों के इलाज में लगे हुए हैं। एक बच्चा गंभीर है। रेफर करने की जरूरत पड़ेगी तो वह भी किया जाएगा। बच्चों को हरसंभव सर्वश्रेष्ठ इलाज मुहैया कराया जाएगा। हर साल काली बस्ती में शिव बरात का आयोजन होता है। ज्यादातर बच्चे अपने परिजनों के बिना ही शिव बरात का हिस्सा बनने पहुंच गए थे। लोगों का कहना है कि आयोजकों की गलती से यह हादसा हुआ है। इसी वजह से जब आयोजक अस्पताल पहुंचे तो नाराज परिजनों ने उनकी पिटाई कर दी।

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत कम होने पर विपक्ष ने उठाए सवाल, सरकार पर लगाए राजनीति करने के आरोप

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को महिला दिवस के मौके पर घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 100 रुपये कम करने का एलान किया। प्रधानमंत्री के इस फैसले से करोड़ों लोगों को आर्थिक फायदा होगा। हालांकि विपक्ष ने इसे सरकार का जुमला करार दिया और दावा किया कि चुनाव को ध्यान में रखकर ही यह फैसला किया गया है। सरकार के फैसले पर एनसीपी (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि 'एलपीजी सिलेंडर पर 100 रुपये कम करने का फैसला राजनीतिक है और यह लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर लिया गया है। सुले ने कहा कि मैं इससे बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। आप टाइमिंग देखिए। वह बीते 9 वर्षों से सत्ता में हैं, लेकिन उन्होंने पहले इस बारे में नहीं क्यों नहीं सोचा? जब चुनाव आ रहे हैं और अगले पांच-छह दिनों में इनका एलान हो जाएगा, तो ये एक जुमला है और ये बात सब जानते हैं।' सुप्रिया सुले ने कहा कि 'हमारी सरकार में सिलेंडर 430 रुपये का था तो अब उसके जितना क्यों नहीं हो रहा है?' कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'महिला दिवस पर पीएम मोदी का जुमलाः एलपीजी की कीमतों में 100 रुपये की कमी की गई है और यह अब 823 रुपये पर है। थोड़ा पीछे जाएं तो 2014 में डॉ. मनमोहन सिंह ने सिलेंडर पर 600 रुपये की सब्सिडी दी और तब कीमत 641 रुपये थी।' पीएम मोदी ने महिला दिवस पर सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 100 रुपये की कटौती करने का एलान किया। इसके साथ प्रधानमंत्री ने लिखा कि इससे करोड़ों परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होगा और खासकर इससे नारी शक्ति को फायदा होगा। केंद्र सरकार का एलपीजी की कीमतों में कटौती का फैसला सरकार के उस एलान के एक दिन बाद आया है, जिसमें सरकार ने उज्जवला योजना के लाभार्थियों के लिए घरेलू गैस सिलेंडर पर 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी आगे एक साल और बढ़ाने का फैसला किया है।

भारतीय वायुसेना हवाई क्षेत्र की रक्षा कर रही, अंतरिक्ष कार्यक्रम में अहम योगदान दे रही है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

गाजियाबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को भारतीय वायुसेना की चार इकाइयों को राष्ट्रपति मानक एवं रंग (प्रेजिटेंड्स स्टैंडर्ड एंड कलर्स) पुरस्कार से सम्मानित किया। गाजियाबाद में हिंडन वायु सेना स्टेशन में आयोजित एक समारोह में 45 स्क्वाड्रन और 221 स्क्वाड्रन को राष्ट्रपति के मानक और 11 बेस रिपेयर डिपो तथा 509 सिग्नल यूनिट को राष्ट्रपति के रंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारतीय वायुसेना के इतिहास में यह पहला अवसर है जब वायुसेना की चार इकाइयों को एक साथ इन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति मानक और रंग पुरस्कार किसी भी सशस्त्र बल इकाई के लिए सर्वोच्च सैन्य सम्मान है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुनी गई चारों इकाइयों का भारतीय वायुसेना के इतिहास में शानदार योगदान है। वायुसेना की 45 स्क्वाड्रन को फ्लाइंग डैगर्स के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना 1959 में हुई थी। इस स्क्वाड्रन ने 1960 में पुर्तगाली शासन से गोवा की आजादी के लिए ऑपरेशन विजय में भाग लिया था। वायुसेना की 221 स्क्वाड्रन को वैलिएंट्स के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 14 फरवरी 1963 को वैम्पायर विमान से लैस बैरकपुर में की गई थी। इस स्क्वाड्रन के गठन के बमुश्किल दो साल बाद इसे 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पूर्वी क्षेत्र में

तैनात किया गया था, जहां इसने सराहनीय योगदान दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि देश की सेवा में भारतीय वायुसेना का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है और वह न केवल हवाई क्षेत्र की रक्षा कर रही है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भी अहम योगदान दे रही है। मुर्मू ने भारतीय वायुसेना की चार इकाइयों को राष्ट्रपति मानक एवं रंग (प्रेजिटेंड्स स्टैंडर्ड एंड कलर्स) पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि उन्हें विश्वास है कि अधिक से अधिक महिलाएं वायुसेना में भर्ती होंगी और राष्ट्र की सेवा करेंगी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सेवा में भारतीय वायुसेना का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। राष्ट्रपति ने कहा, यह हर्ष की बात है कि भारतीय वायुसेना न केवल हवाई क्षेत्र की रक्षा कर रही है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भी अहम योगदान दे रही है। मुर्मू ने कहा कि जल, थल और नभ की रक्षा करने के अलावा आज साइबर क्षेत्र तथा प्रयोगशालाओं की रक्षा करना भी आवश्यक है। समारोह के बाद अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई है कि भारतीय वायुसेना पिछले कुछ वर्षों से उन्नत प्रौद्योगिकियां अपना रही है।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका मनीष खंडूड़ी ने दिया पार्टी से इस्तीफा

देहरादून। लोकसभा चुनावों से पहले उत्तराखंड कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व वर्ष 2019 में गढ़वाल संसदीय सीट से पार्टी प्रत्याशी रहे मनीष खंडूड़ी ने पार्टी से त्यागपत्र दे दिया है। मनीष पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता मेजर जनरल (सेनि) भुवन चंद्र खंडूड़ी के पुत्र हैं। इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट में मनीष खंडूड़ी ने कहा कि वह स्वेच्छा से त्यागपत्र दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं। लोकसभा चुनाव से पहले मनीष के इस कदम को पार्टी के लिए बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम पर मंथन कर रही है। लंबे समय से कांग्रेस के प्रत्याशियों की लिस्ट का इंतजार था, लेकिन इससे पहले ही पार्टी के एक कद्दावर नेता ने अपना इस्तीफा थमा दिया है।